वर्ष-01 - अंक 04 - पृष्ठ-05 - मासिक समाचार पत्र - इंदौर / अहमदाबाद से एक साथ प्रकाशित संस्करण

वर्ष 1 - अंक 4 | मूल्य ₹ 5.00

हमारा संकल्प सेवा और समर्पण

हूमड़ वाणी

अंतर्राष्ट्रीय संगठन का दर्पण

30 नवंबर, 2024 । शनिवार | फेडरेशन आफ हूमड़ जैन समाज का मुख पत्र | धर्म के लिए जिए, समाज के लिए जिए, ये धडकने, ये स्वांस हो, हूमड़ समाज के लिए

सम्पादकीय

आप ओर हम एक ही परिवार है

धर्म जीवन के सम्पूर्ण आचरण का प्रतिनिधि है। जीवन के व्यवहार को इसी कसौटी पर कसा जा सकता है। दुनिया के महापुरुषो ने भी इसे अपने अपने तरीके से परिभाषित किया है। आज ज्ञान दर्शन से भी ज्यादा, आचरण की आराधना कठीन है। आत्मिक गुणोंका विकास धर्म का मूल फल है. जीने के लिए तो सभी जीते है लेकिन कौन कितना अच्छा जीवन जीता है, यह महत्वपूर्ण है. संकल्प, पुरुषार्थ, लगन एवं निष्ठा के बीना हम न जीवन की दिशा बदल सकते है और ना दशा. इसलिए कुछ नई सोच मन में जागे, कुछ नए कर्म की शुरुआत हो, कुछ नई उपलब्धी पा सकें. इसके लिए हम जहा खड़ें है, वहां से एक कदम आगे बढें. सोए है तो जागें, बैठे है तो चलें, चल रहे है तो सही लक्ष्य तक पहुंचे. समय के साथ उम्र का हर क्षण सार्थक बनें. धर्म आराधना के प्रति जागरूकता से इसे सही अर्थो में पाया जा सकता है। वैचारिक दृढता के साथ, हूमड़ जैन समाज निरंतर कर्म पथ पर अग्रसर है। हूमड़ जैन समाज के सकारात्मक प्रयासो को सदैव ही सराहा है. सच्चाई और ईमानदारी से की गई अभिव्यक्ती को अमुल्य बल भी मिला है. आपके साथ स्थापित संबंधो में अपनापन है. आप और हम परिवार है।

अंतराष्ट्रीय फेडरेशन ऑफ हूमड जैन समाज का राजस्थान एवं मध्यप्रदेश में संपर्क अभियान

राजस्थान

हूमड़ सम्पर्क अभियान में किया 22 गांवों का दौरा

फैडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज के चार दिवसीय हूमड़ सम्पर्क अभियान का प्रथम चरण सम्पन्न हुआ। प्रथम चरण में चार दिनों में हूमड़ संपर्क दल वागड़ एवं खड़क क्षेत्र के 22 गांवों का दौरा किया।

फैडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष विपिन गांधी, महामंत्री महेंद्र बडी, राजस्थान प्रॉविंस अध्यक्ष धनपाल जैन, प्रॉविंस महामंत्री गोवर्धनलाल जैन, महिला प्रॉविंस अध्यक्षा डा. निधि जैन, संस्थापक एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अजीत कोठिया तथा प्रवीण जैन शामिल थे। आप सभी ने परतापुर गढ़ी, मोर, अरथूना, तलवाड़ा, बांसवाड़ा, कुशलगढ़, कलिंजरा, बागीदौरा, नौगामा, बडोदिया, घाटोल, सरोदा, ओबरी. खड़क क्षेत्र में सम्पर्क करते हुए। पालोदा, गनोड़ा, साबला, धरियावाद, पारसोला, खेरवाड़ा, नयागांव, भुधर, ऋषभदेव एवं सागवाड़ा का दौरा कर वहां के समाजजनों को फैडरेशन की सभी सामाजिक गतिविधियों तथा उच्च शिक्षा छात्रवृति, रक्तदान, मरणोपरांत नेत्रदान, देहदान, मासिक पत्रिका हूमड़ वाणी सहित सभी कार्यकारिणी सदस्यों संबंधी सूचनाएं दी।

प्रभारी अजीत कोठिया ने बताया कि दल को मुनि श्री अजीत सागर जी महाराज, मुनि श्री सुमंत्र सागर जी, आर्यिका श्री पवित्रमती माताजी , सुयशमती माताजी, मुनि श्री आज्ञासागर जी, मुनि श्री पुण्यसागर जी महाराज, आचार्य श्री वर्धमानसागर जी महाराज और आचार्य श्री पुलकसागर जी महाराज के द्वारा आर्शीवाद भी प्राप्त हुआ।

18000 दशा हूमड़ दिगंबर जैन समाज अध्यक्ष दिनेश खोड़निया, धनपाल लालावत, हेमंत सेठ, पंकज वकील, प्रतिष्ठाचार्य हंसमुख डागरिया, इंदरमल जैन, शैलेंद्र दोसी, भरत कोरावत, विमला दोसी, धनपाल कोरावत सहित सैकड़ों समाजजनों ने बहुमान किया। 22 गांवों में पंचों, युवाओं और महिला मंडलों से चर्चा कर हुमड़ समाज की एकता बढ़ाने पर विचार किया। आवेदन पत्र वितरण गोवर्धन लाल जैन ने किया। आभार धनपाल जैन ने व्यक्त किया।

मध्य प्रदेश

निनोर गांव में 500 वर्ष पुराना 1 मंदीर एंव 2 परीवार

अंतराष्ट्रीय फेडरेशन ऑफ़ हूमड़ जैन समाज के अध्यक्ष श्री विपिन गाँधी, महामंत्री श्री महेन्द्र बंडी, मप्र,उप्र, छत्तीसगढ़ प्रोविंस के अध्यक्ष श्री दीपक भूता एवं मंत्री श्री महावीर कोटडिया द्वारा मध्यप्रदेश के दूर-दराज के गांवों एवं शहरोँ के हूमड़ जैन समाजजनों से संपर्क, उनके मन की बात जानने, समाजजनों को फेडरेशन कि गतिविधियों कि जानकारी देने, उनके सुख-दुःख को जानने एवं समाज के प्रति जागृति प्रदान करने हेतु भ्रमण किया गया. इस दौरान मंदसौर, भावगढ़, नीनोर, मावता, रणायरा जावरा, शामगढ़, भानपुरा, मनासा, नीमच, उज्जैन के समाजजनों के साथ संपर्क एवं मीटिंग का आयोजन किया गया.

अध्यक्ष श्री विपिन गाँधी एवं महामंत्री श्री महेन्द्र बंडी ने इन क्षेत्र के समाजजनों को संबोधित करते हुए विस्तृत रूप से फेडरेशन के गतिविधियों की जानकारी दी. आपने संबोधित करते हुए कहा कि हूमड़ समाज कि उत्पत्ति ईडर के खेड़ ब्रह्मा से हुई एवं वहीँ से हूमड़ समाज के लोग भारत के विभिन्न क्षेत्रों में व्यवसाय के लिए बस गये. हूमड़ समाज के लोग बड़े मेहनती, अपनी ईमानदारी एवं सामाजिक/धार्मिक कार्यो के लिये जाने जाते है.. आपने बताया कि आज हमारे समाज के कई व्यक्ति आईएएस/आईपीएस में अपनी सेवाएं दे रहे है, हमारे समाज के लोग पद्मश्री अवार्ड से भी सम्मानित किये गये है, कई बड़े उद्यमी एवं व्यवसायी आज देश कि अर्थव्यस्थाओं में अपना योगदान दे रहे है. आपने फेडरेशन द्वारा प्रतिमाह प्रसारित होने वाले हूमड़ वाणी पत्रिका के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि प्रत्येक समाजजन को इस पत्रिका का अवलोकन कर समाज की गतिविधियों के बारे में जानना चाहिये. **आपने नीनोर गाँव का उदहारण देते हुए बताया कि यह गाँव मंदसौर के अंतिम छोर पर राजस्थान से लगा हुआ है, यहाँ पर लगभग 500 वर्ष पुराना मंदिर है एवं गाँव के मात्र 2 निवासरत परिवार मंदिर की देख रेख एवं सेवा पूजा काफी ठाट बाट से करते है. यहाँ के एक परिवार के विवाहित जोड़े ने सोलह कारण के 16 उपवास किये जिसकी जानकारी दूरस्थ तो ठीक आसपास के लोगों को भी नहीं मालूम.** फेडरेशन का यही उद्देश्य है कि प्रत्येक समाजजन आपस में जुड़े एवं जानकारियां मिलती रहे ताकि हमारा धर्म, समाज एवं सभ्यता बची रहे.

आपने बताया कि आज फेडरेशन द्वारा समाज के जरूरतमंद लोगों को जिनको शिक्षा, उपचार एवं अन्य किसी प्रकार की सहायता कि आवश्यकता होती है उन्हें तुरंत सहायता उपलब्ध करा दी जाती है. फेडरेशन द्वारा अंतराष्ट्रीय स्तर पर परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जाता है जिससे कि समाज के बेटे-बेटियां समाज में ही रहे. भविष्य में 1000 लोगों के साथ तीर्थ यात्रा करने की योजना बनाई जा रही है जिससे विभिन्न स्थानों के समाजजन 10-12 दिनों के लिये साथ में रहकर पारिवारिक माहोल में रहकर आपस में पहचान सके.

आपने समाजजनों से निवेदन किया कि कुछ बड़े आर्थिक पेकेज के लिये नौकर न बने, अपना धंधा व्यवसाय कर सेठ बनने की सलाह दी. आपने बताया कि देर से विवाह करने एवं छोटे परिवार होने के कारण आने वाले समय में काका-काकी, बुआ-फूफा, मौसा-मासी आदि बच्चो के लिए एक इतिहास हो जावेगा एवं वे केवल अंकल एवं औंटी के नाम से सब को जानेंगे. आपके द्वारा इस प्रकार कि कई बातों को बताया गया जिससे कि समाजजन जागृत एवं संस्कारित हो सके विभिन्न क्षेत्रों के समाजजनों के द्वारा कुछ सुझाव एवं आपत्तियों के बारे में पदाधिकारियों को अवगत कराया गया, जिनका शीघ्र अमल में लाने एवं निराकरण का आश्वासन दिया गया.

आपके मार्गदर्शन से उत्साहित होकर भावगढ़ के 3, नीनोर के 1 एवं उज्जैन के 5 सदस्यों ने फेडरेशन की आजीवन सदस्यता ग्रहण की एवं हूमड़ जैन समाज की 12 संस्थाओं ने फेडरेशन में अपनी सदस्यता ली।

इस अवसर पर मध्यप्रदेश प्रोविंस के अध्यक्ष श्री दीपक कुमार भूता ने भी फेडरेशन की गतिविधियों की जानकारी दी गई. प्रोविंस मंत्री महावीर कोटडिया ने समाजजनों से प्राप्त सुझाव एवं विचारों को समय समय पर सदैव उच्च पदाधिकारियों को अवगत कराने का आश्वासन दिया।

फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज अंतरराष्ट्रीय संगठन का विदेश में निवासरत सभी भारतीय हूमड़ परिवारों का दीपावली मिलन

सूदूर सन फ्रांसिस्को से जब मिलन के समाचार मिलते हैं , तो सुकुन की जो ठंडक मिलती है शब्दों में चित्रित नहीं की जा सकती है । दूरियां सब सिमट जाती है जब दिल से पास होते है। भारत के प्रमुख पर्व दीपावली की यादों को ताजा किया । यह सब संभव हुआ आदरणीय श्रीमान देवकुमारजी गांधी और सोनलजी गांधी के सोजन्य एवं आतिथ्य से विशेष वन्दन श्वेताजी को जिसने सबको एकत्रित करने का साहस किया। इनका विशेष आभार । इसी प्रकार हमारी संस्कृति की खूशबू फैलती रहे और हम सभी का हूमड़ भाव ज़िन्दा रहे। संगठन को मजबुत करने के लिए सुझाव सहयोग अपेक्षित है ।

महिला स्वास्थ्य जागरूकता सेमिनार का आयोजन

अहमदाबाद : श्री हुमड़ समाज प्रगति संघ अहमदाबाद ने अंतराष्ट्रीय फेडरेशन ऑफ हूमड जैन समाज के सहयोग से महिला स्वास्थ्य जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया। इस महत्वपूर्ण सेमिनार में श्री हुमड़ समाज की कुल 50 महिलाओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस सेमिनार की प्रमुख वक्ता डॉ. पारुल शारदा, एक प्रसिद्ध स्त्रीरोग विशेषज्ञ है। यह सत्र बहुत ही संवादात्मक था, जिसमें प्रतिभागियों को अपनी चिंताओं और सवालों को व्यक्त करने का मंच मिला।

डॉ. शारदा ने सेमिनार के दौरान सीधे इन सवालों का जवाब दिया और विभिन्न स्त्री रोग और स्वास्थ्य संबंधित मुद्दों पर मूल्यवान जानकारी और सलाह दी। इस सेमिनार को बहुत सराहा गया और इससे हमारे समुदाय में महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान मिला। पूरे सेमिनार का नेतृत्व श्रीमती प्रितिबेन बोबड़ा, श्रीमती रोनकबेन शाह, और श्रीमती वीनतीबेन दोशी ने किया।

उदयपुर में स्टेट लेवल कुकिंग प्रतियोगिता कही गुम ना हो जाए

फेडरेशन ऑफ हूमड जैन समाज महिला महासभा की चेतना मेहता सागवाड़ा ने उदयपुर में स्टेट लेवल कुकिंग प्रतियोगिता में भाग लिया, **कही गुम ना हो जाए** प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। जिसमे हमारी दादी-नानी के हाथो बनने वाले पुराने व्यंजन बनाना था। आप आगे राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने दिल्ली जायेंगी।

श्री हुमड़ जैन सोश्यल ग्रुप इंदौर वाराणसी- अयोध्या प्रयागराज यात्रा

श्री हुमड़ जैन सोश्यल ग्रुप इंदौर अपने 30 वर्ष पूर्ण कर चुका है, अनेकों तीर्थ क्षेत्रो और पर्यटक स्थलों कि यात्रा अपने सदस्य के साथ की है और सभी लोगों ने हमेशा ग्रुप की व्यवस्थाओं की सराहना की है। इस बार ग्रुप की यात्रा वाराणसी-अयोध्या - प्रयागराज के साथ में सिंहपुरी, चंद्रपुरी, कंकदी, श्री वस्ती, रतनपुरी, प्रभाषगिरी आदि को भी कवर किया 100 से अधिक लोगों की इस यात्रा को सफलतापूर्वक और बड़े ही आनंदपूर्वक पूर्ण कर सभी यात्री सुरक्षित एवं स्वस्थ इंदौर पहुंचे। सभी लोगों का आपसी ताल-मेल बहुत अच्छा रहा, अच्छी व्यवस्था के लिए सभी यात्रियों ने अध्यक्ष : अरुण शाह, संघपति : मनोज भाई एवं डिंपल रामावत के साथ सभी यात्रा संयोजकों का आभार माना। श्री हूमड़ जैन सोश्यल ग्रुप आगे भी इसी तरह यात्राएं करने के लिए कटिबद्ध हैं।

शादी के उपलक्ष्य में 551000/- के शिक्षा दान की घोषणा

घाटोंल के दानवीर परिवार श्री सुनील जी रतनलालजी कोठारी एवं उनके भाई श्री विनयजी कोठारी ने भीलवाड़ा में अपने पुत्र श्री स्वप्निल बहू ध्रुवी पंचोली की शाही चक्रवर्ती शादी के उपलक्ष्य में शिक्षा दान के रूप में हुमडपुरम में 5.51,000/- दान की घोषणा की ! कोठारी परिवार ने पूर्व में भी 251000/-हुमडपुरम में दान दिया है। कोठारी परिवार के शिक्षा दान में हमेशा आगे रहा हैं।

कोठारी पंचोली परिवार की शादी भीलवाड़ा जैसे बड़े शहर में भी समाज की पूरी मर्यादानुरूप हों रही है, समाज का भोजन था लेकिन रात्रिभोजन के निषेध स्वरूप फिक्स शाम 6.30 बजे भोजन के सभी काउंटर बंद कर दिये और सारी प्लेट्स हटा ली कई मेहमान का भोजन बाक़ी था लेकिन पंचोरी परिवार ने रात्रि भोजन के निषेध का पूरा पालन करते हुए सामाजिक धार्मिक मर्यादाओं का पालन किया और शादी भी आज दिन में रखी गई ऐसे दानवीर परिवार को बधाई इस अवसर पर श्री समाज के अध्यक्ष दिनेश जी खोड़निया, इंदरमल जी शाह, धनपाल जी शाह, अशोक जी दोसी, नरेंद्र जी खोड़निया, राकेशजी पंचोली, वस्तुपाल जी जोधावत, दीपेश जी लालावत, अजीत जी मूँगनीया, पिंटू जी उकावत, नगींन जी घाटलिया, राजेश जी गांधी, राजू भाई, बदामिलालजी खोड़निया, बदामिलाल जी लालवात, रतनपाल जी कोठारी, कमलेश जी वागेरिया, संजय जी सरग़ीया, मयंक जी वैगेरिया, पंकज जी दोसी, धनपाल जी भूताउपस्थिथे!

आर्यिका माताजी की सलेखना समाधि बारामती में...

पंचम काल में मोक्ष नहीं,
परन्तु मोक्ष मार्ग तो सुलभ है,

प्रकृति का अकाट्य सिद्धांत,
एक ही माटी, एक अनल है,
एक अनिल, एक सलिल
सकल संसार,

फिर भी जैसा बीज वैसा फल

आचार्य श्री 108 डॉ. प्रणामसागरजी महाराज के सान्निध्य में आर्यिका दीक्षा अंगीकार कर प.पू.आर्यिका 105 चन्द्रजिनश्री माताजी (पूर्व नाम-वरिष्ठ श्राविका श्रीमती कुसुमकाकी जिनदत्त शाह सराफ) का महाप्रयाण (दीक्षा समाधि) हुई। शांत, निर्विकल्प भाव से सिद्धों का स्मरण करते, पूज्य माताजी ने समता समाधि की अन्तिम स्वांस कर देह विसर्जन किया।

इस सदी के प्रथमाचार्य आचार्य शांति सागर जी के अनन्य भक्त, धर्मनिष्ठ, सत्यनिष्ठ स्वर्गीय श्री जिनदत्त शहा सर्राफ की धर्मपत्नी, श्रीमान किशोर भाई, श्रीमान अतुल भाई की मातुश्री, श्रीमती कुसुम बैन जिन्होंने अनेक मुनिराजों, आर्यिका माता के पाणी पात्र में आहार दान का सौभाग्य प्राप्त किया। प्रायः वर्तमान में विद्यमान सभी साधु भगवन्तों व आर्यिका माताजी का आशीर्वाद प्राप्त किया, जीन्होने तिर्थों की पावन रज को माथे से लगाया, धर्म प्रभावना का कोई अवसर नहीं छौडा। तन-मन- और धन सब कुछ समर्पित कर दिया जैनत्व की रक्षा के लिए। ऐसी ब्रह्म कुसुम जी सी दुर्लभ श्री मती कुसुम देवी जी जिनदत्त जी शहा ने, जीवन के अन्तिम लक्ष्य को साधते हुए आचार्य भगवन श्री प्रणाम सागर जी गुरुवर से अपनी चेतना पूर्वक आर्यिका संस्कारों का आक्षेपण ग्रहण कर नया नाम पाया आर्यिका 105 चन्द्र जिन श्री माताजी इतना ही नहीं जीवन का अन्तिम लक्ष्य पंडित - पंडित मरण को साधने हेतु यम संलेखना अंगीकार की। हम सब श्रद्धावनत होकर भक्ति भाव से भावना भाते आप स्त्री पर्याय का छेदन - भैदन कर शिघ्र अगले भव में सिद्धालय में अविचल, निष्काम रुप में विराजमान हो। आपके जीवन की हर गाथा, हमारे कल्याण का कारण बने। आर्यिका माँ के चरणांबुज में वन्दामी वन्दामी वन्दामी...

दक्षिण भारत दर्शन में कर्नाटक यात्रा का नवरात्रि के दिनों में मिलता है वास्तविक आनंद। कर्नाटक प्रदेश जहां के धर्म क्षेत्रों ने हमारी प्राचीन परम्पराओं व मूल संस्कृति को बिना किसी आडंबर के यथार्थ स्वरुप में जीवंत रखा है।

आज हमारे भारत के अनेक क्षेत्र जब फिल्मी और पाश्चात्य दुनिया की चकाचौंध से अपनी महान सांस्कृतिक विरासत खो चुके है वही दक्षिण भारत के धार्मिक क्षेत्र आज भी अत्यंत खूबसूरती व वास्तविकता के साथ इनको संजोए हुए है।

प्रसिद्ध दिगंबर जैन तीर्थ श्रवणबेलगोला कर्नाटक जो की अंतिम श्रुतकेवली भद्राबाहु स्वामी की निर्वाण स्थली,महान सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य महामुनि की संलेखना तपोंभूमि और भगवान बाहुबली स्वामी की अलौकिक प्रतिमा के लिए जग विख्यात है जो कि खासकर प्रत्येक 12 वर्ष में होने वाले महा मस्तकाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं के आने का मुख्य आकर्षण केंद्र है।

लेकिन प्रत्येक वर्ष नवरात्रि के दिनों में श्रवणबेलगोला के जैन मठ मंदिर में भट्टारक स्वामी जी के सानिध्य में संध्याकाल से होने वाले जिनवाणी मां व कुष्मांडनी देवी मां की आराधना महोत्सव अत्यंत दर्शनीय है।

नवरात्रि के इस जिनवाणी मां व जैन शासन यक्षणी कूष्माण्डनी देवी की आराधना महोत्सव में माता जिनवाणी के समक्ष नित्य संध्या काल में अनेक कलाकार आकर यहां की आश्चर्यजनक लोक संस्कृति, कर्ण प्रिय प्राचीन वाद्य कला,मन मोहक प्राचीन नाट्य कला,सुंदर गायन कला प्रस्तुत करते हैं साथ ही कन्नड़ व प्राकृत के शुद्ध उच्चारण व मनोहारी लय में पूजा आराधना आगंतुक श्रावकों को मंत्र मुग्ध कर देती है।

जो शायद ही भारत के अन्यत्र देखने को मिलती है।

यह पूरा आराधना महोत्सव बिना आडम्बर,बिना किसी प्रदर्शन,बिना किसी बोली सम्मान पंडाल के मठ मंदिर के विशाल पूजा गृह में पूर्ण अनुशासन व भक्ति भाव से होता है।

देखने वाले इस आयोजन को मंदिर के अंदर पिन ड्रॉप साइलेट देखते सुनते हैं।

नवरात्रि में दक्षिण भारत के श्रवणबेलगोला,वारंगा, हुमचा पद्मावती और ज्वालामालिनी नरसिंहपुरा तीर्थों की यात्रा आपको सबसे विविध,दुर्लभ और मंत्र मुग्ध कर देने वाली कला संस्कृति का दर्शन देती है जिसे अपने जीवन में अवश्य देखना चाहिए।

(शाह मधोक जैन- चितरी)

वर्ष 2024 के चातुर्मास मे इस वर्ष सम्पूर्ण भारत के 2512 हुमड तपस्वियों का सम्मान करते हुए अंतरराष्ट्रीय फेडरेशन ऑफ हुमड जैन समाज के पदाधिकारी अनुमोदना कर गौरवान्वित हुए है...

वर्ष 2024 का चातुर्मास कई उपलब्धी के साथ सम्पन्न हुआ. इस वर्ष सम्पूर्ण भारत के 2512 हुमड तपस्वियों का सम्मान कर अंतरराष्ट्रीय फेडरेशन ऑफ हुमड जैन समाज सभी तपस्वियों की अनुमोदना कर गौरवान्वित हुआ है...

राजस्थान के राज्यपाल गुरु चरणों में दर्शनार्थ पधारे

चतुर्थ पट्टाधीश आचार्य भगवंत श्री सुनील सागर जी गुरुदेव के 47 वें अवतरण दिवस पर राजस्थान के राज्यपाल श्री हरिभाऊ जी वागड़े गुरु चरणो में दर्शनार्थ पधारे व गुरु चरणों का पाद पक्षालन किया

श्री सुरज अजितकुमार फडे, अकलूज ने षोडशकारण व्रत के उपलक्ष्य १६ उपवास की तपस्या की.

अहिंसा

अंहिसा का व्यापक प्रचार. प्रसार, अब धीरे धीरे हो रहा है। कुपोषण से होते रोग, अब धीरे धीरे समझ में आ रहा है। सात्विक भोजन करने लगे, जीवदया का प्रचार हो रहा है। गोशालाएं, पशु चिकित्सालय, जीवो की रक्षा का कार्य हो रहा है। भौतिकता की चकाचौंध से, अब डर महसूस हो रहा है। पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव, कम होता जा रहा है।

अंहिसा की पाठशालायें खुलने लगी, अंहिसा विषय पर जोर दिया जा रहा है। अंहिसा, शाकाहार की रैलियां, प्रवचन, उपदेश, वार्ता का दौर चल रहा है। अंहिसा का व्यापक प्रचार.प्रसार, जन जन तक पहुंचाया जा रहा है। पूरे विश्व में शांति प्रेम का, साम्राज्य फैलाया जा रहा है। अंहिसा परमोधर्म को माना‌ए यही मार्ग सर्वोपरि माना जा रहा है। प्रकृति भी समय समय पर देती संकेत, हिंसा नाश का कारण बताया जा रहा है।

उत्सव जैन-नौंगामा , राजस्थान

वागड़ भी धाकड- गुरु माँ विज्ञानमति माताजी का आशिर्वाद मिला

खांदू कॉलोनी में 700 लोगो ने 10 उपवास की तपस्या एव 50 लोगो ने 16 उपवास की तपस्या कर बनाया रिकार्ड

जी हा, आचार्य भगवन तो हमारे बीच नहीं रहे और नाही उनके चरण कमल हमारे वागड़ पर पड़े, लेकिन सम्पूर्ण वागड़ पर नजर डाले तो 2024 का चातुर्मास उपवास के क्षेत्र मे अपने सर्वोच्च शिखर पर था. यहा के लोग बुंदेलखंड सें इक्कीसे ही है... गुरु माँ विज्ञानमति माताजी सें वागड़ के श्रावक विगत कई वर्षो सें निवेदन करते थे की माताजी अब वागड़ बदल चूका है आओ, पधारो, हम लोगो को प्रेरित करने की आवश्यकता है, आपके पद चिन्हो का अनुसरण करेंगे और यहाँ वागड़ की जैन समाज ने जो कहा वो किया, नौगांमा जैन समाज छोटी समाज यहाँ 5 बंधु 16 उपवास एवं 40 सें अधिक लोगो ने 10 उपवास की साधना करी । बड़ोदिया धर्म नगरी को व्यापारिक नगरी भी कह सकते है, यहाँ भी 8 श्रावक 16 उपवास व 50 के लगभग 10 उपवास की अच्छे सें तपस्या करी। बड़ी माताजी की मुख मुद्रा सें अभिभूत होकर उनका आशीष व सानिध्य मे सभी शिविरार्थी हर्षोल्लास के साथ

तप आराधना कर अपने मोक्ष मार्ग पर अग्रसर हुए... तलवाडा , धरियावाद , पारसोला मे भी त्यागी वृतियों की संख्या आशा सें अधिक थी। इस वर्ष महसूस हुआ था की अगर आचार्यश्री होते और ऐसा उत्साह वागड़ का देखा व जाना होता तो जरूर वागड़ पर उनकी कृपा बरसती । आचार्य भगवंत विद्यासागर जी महाराज की सबसे ज्येष्ठ और श्रेष्ठ आर्यिका विज्ञानमति माताजी के सानिध्य में श्रावक संस्कार शिविर बांसवाड़ा खांदू कॉलोनी में समपन्न हुआ, जी हां यहां ऐसा ही माहौल था उपवास का, 400 परीवार है खांदू कॉलोनी में। जिसने जिंदगी मे एकासन भी नहीं किए थे, नाश्ता किये बिना दुकान नहीं खोलते थे उन्होने 10 उपवास की तपस्या करी है, धन्य हो गया यह 2024 का चातुर्मास जिसमे पिछले सभी रिकॉर्ड चाहे माया के हो या काया के सबमे अव्वल रहा खांदू कॉलोनी का चातुर्मास। माताजी का मुख देखो और पेट भर जाता है ऐसे शब्द शिविरर्थियों ने कहें। वागड़ का एक तीर्थ सा बन गया था, खांदु कॉलोनी....ऐसा माहौल था,,, चारो तरफ उपवास, व साता पूछते परिजन,, वेयावृत्ती करने वाले भी तत्पर थे उपवास वालों की सेवा कर पुण्य लाभ लेने के लीए, बाहर से आए हुए श्रावक जन ने अपने सौभाग्य को जगाया, खांदु कॉलोनी मे पधार कर...

पारसोला में आचार्य पद प्रतिष्ठा शताब्दी महोत्सव समपन्न

पंचम पटटाचार्य वात्सल्य वारिधि आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज के सानिध्य में पारसोला धर्म नगरी में 20 वी सदी के प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती 108 श्री शांति सागर जी आचार्य पद प्रतिष्ठा शताब्दी महोत्सव का आयोजन सम्पन्न हुआ। 18000 दशा हुमड महिला महासभा की सभी महिलाओं ने अपने अपने गांव की यूनिफॉर्म में महा जुलूस में भाग लिया और आचार्यश्री का पूजन कर 108 लोगो द्वारा द्रव्य चड़वाया गया। सभी गांवों की महिलाओ ने ये लाभ लिया।

सीनियर सीटीजनो की निशुल्क सम्मेदशिखर यात्रा

75 सीनियर सीटीजनो की सरोदा से निशुल्क श्री सम्मेदशिखर के लिए मूनि आज्ञासागरजी का आशीर्वाद लेकर 18000 हूमड श्री समाज के अध्यक्ष दिनेश जी खोडणीया ओर राजस्थान प्रोविंस अध्यक्ष के सानिध्य मे साधूसेवा संस्थान को जैन प्रतिक अभिनन्दन ओर मेडल भेट कर जैन ध्वजा के साथ रवाना किया गया 32 उपवास धारी अजीत भाई 10 उपवास धारी 24 तप धारियो का सम्मान किया गया. डडूका, आजना, परतापुर, बासवाडा, खादूकोलोनी, धरियावाद, पारसोला, साबला, सागवाडा, पीठ, ओबरी पूरा खडग क्षेत्र मे सभी तप धारियों की अनूमोदना की गयी.

डडूका के उपवास धारकों का सम्मान

फैडरेशन ऑफ हुमड़ जैन समाज द्वारा डडूका दिगम्बर जैन समाज के 6 उपवास धारकों का सम्मान कर शुभकामनाएं दी गई। फैडरेशन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अजीत कोठिया ने बताया की डडूका निवासी तनेश शाहए राहुल सेठए राजेन्द्र सेठए हिमांशु शाहए चंदनबाला शाह तथा निशा कोठिया को फेडरेशन की ओर से प्रशस्ति पत्र एवं मुनि दर्पण मासिक पत्रिका की प्रतियां भेट कर बहुमानित कर उनके उपवास व्रत की अनुमोदना की गई। प्रशस्ति पत्र राजेश शाहए अंकित शाहए राकेश शाहए मनोज शाहए अजीत कोठियाए वस्तुपाल शाह तथा भरत जैन ने भेट किए। फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज की ओर से सभी उपवास कर्ता भाई बहनों का हार्दिक आभार व्यक्त किया गया। संचालन राजेन्द्र कोठिया ने किया।

18 DAYS OF PARYUSHAN PARV

In Jain Center of Greater Boston USA we celebrated 18 Days of Paryushan parv like every year to serve both shwetamber and Digamber as a united Jain Sangh. We had 12 tapasavis who observed upwas where 8 people did atthai(8upwas), 2 people did 10 upwas, 1 person did 11 upwas and 1 person did 16 upwas. We celebrated Kshamavani parv and did Tapasvi bahuman for all these tapasvis. We also recognized all the pathshala kids with any tyag they performed during these 18 days. We had around 230 plus people attended this celebration.Many of our kids from this group attended the function and observed ekashna , byasna and upwas.

श्रद्धांजलि

श्रीमती अरूणलताजी खासगीवाला, अजमेर (26.08.2024)

श्रीमान सूरजमलजी शाह , इंदौर (31.08.2024)

श्रीमान जसवंतलालजी शाह, बोरीवली (9.9.2024)

श्रीमती सुमित्राजी भुता , हैदराबाद (9.9.2024)

श्रीमान अशोक कुमारजी पड़लिया, रतलाम (19.9.2024)

श्रीमान कन्हैयालालजी भाचावत, इंदौर (20.9.2024)

श्रीमान अजयपालजी कपटी, इंदौर (8.10.2024)

श्रीमान विजयजी बंडी, प्रतापगढ़ (15.10.2024)

डॉक्टर श्री कन्हैयालालजी बंडी (21.10.2024)

श्रीमती शशिजी बंडी, इंदौर (28.10.2024)

श्रीमान सुकुमालजी भलावत , इंदौर (30.10.2024)

श्रीमती चंदन बाला चांपावत,प्रतापगढ़ (19.11.2024)

श्री विमल कुमार दाणी, झाबुआ (26.11.2024)

संपादक-श्री यशपाल जुवां-9826097101, gmail : humadwani2024@gmail.com, प्रकाशक एवं मुद्रक श्री महेन्द्र बंडी (राष्ट्रीय महामंत्री) 9827255910 - सन्मति, 29/3, स्नेहलतागंज, इंदौर (म.प्र.) फेडरेशन ऑफ हुमड़ जैन समाज, पंजीकृत कार्यालय: 9, सिंदुर कॉ-ऑप., हाउसिंग सोसायटी, ईश्वर भवन के पास, नवरंगपुरा, अहमदाबाद (गुजरात) 380 014 - अहमदाबाद- से मुद्रि एवं प्रकाशित